ये पक्का कर लो..

समय के महत्व को जान ,

कर्मों की गुह्य गति का अटेन्शन रखो ,

नष्टोमोहा , एवररेडी बनो

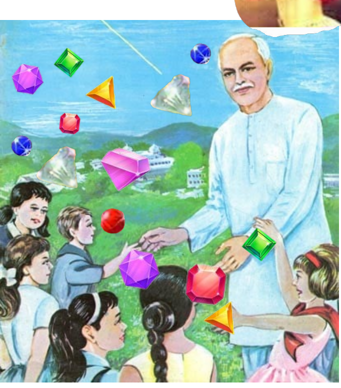

आज सर्व खजानों के दाता, ज्ञान का खजाना, शक्तियों का खजाना, सर्व गुणों का खजाना, श्रेष्ठ संकल्पों का खजाना देने वाला बापदादा अपने चारों ओर के खजाने के बालक सो मालिक अधिकारी बच्चों को देख रहे हैं। अखण्ड खजानों के मालिक बाप सभी बच्चों को सर्व खजानों से सम्पन्न कर रहे हैं। हर एक को सर्व खजाने देते हैं, किसको कम, किसको ज्यादा नहीं देते क्योंकि अखण्ड खजाना है। चारों ओर के बच्चे बापदादा के नयनों में समाये हुए हैं। सभी खजानों से भरपूर हर्षित हो रहे हैं।

Mind very well...

m.m.m. valuable or invaluable

आजकल के समय प्रमाण सबसे अमूल्य श्रेष्ठ

खजाना है - पुरुषोत्तम संगम का समय क्योंकि इस संगम पर ही सारे कल्प की प्रालब्ध बना सकते हो। इस छोटे से युग की प्राप्तियों और प्रालब्ध के प्रमाण **एक सेकण्ड की वैल्यु एक वर्ष के समान** है। इतना यह अमूल्य समय है। इस समय के लिए ही गायन है - **"अब नहीं तो कब नहीं"** क्योंकि **इस समय ही परमात्म पार्ट नूंधा हुआ है** इसलिए इस समय को हीरे तुल्य कहा जाता है। सतयुग को गोल्डन एज कहा जाता है। लेकिन इस समय, समय भी हीरे तुल्य है और आप सब बच्चे भी हीरे तुल्य जीवन के अनुभवी आत्मायें हो। इस समय ही बहुतकाल की बिछुड़ी हुई आत्मायें परमात्म मिलन, परमात्म प्यार, परमात्म नॉलेज, परमात्म खजानों के प्राप्ति के अधिकारी बनते हैं। सारे कल्प में देव आत्मायें, महान आत्मायें हैं लेकिन इस समय परमात्म ईश्वरीय परिवार है इसलिए जितना इस वर्तमान समय का महत्व है, इस महत्व को जान, जितना अपने को श्रेष्ठ बनाने चाहे उतना बना सकते हैं। आप सब भी इस महान युग के परमात्म भाग्य को प्राप्त करने वाले पदमापदम भाग्यवान हो ना! ऐसे अपने श्रेष्ठ भाग्य के रूहानी नशे और भाग्य को जानते, अनुभव कर रहे हो ना! खुशी होती है ना! दिल में क्या गीत गाते हो? वाह मेरा

m.m.m....imp.

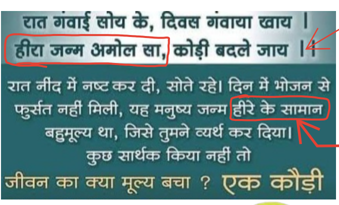

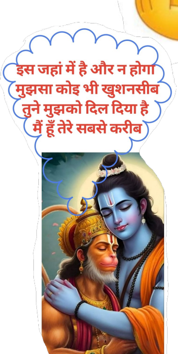

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

भाग्य वाह! क्योंकि इस समय के श्रेष्ठ भाग्य के आगे और कोई भी युग में ऐसा श्रेष्ठ भाग्य प्राप्त हो नहीं सकता।

ये पक्का समझ लो..

So, value this time...
Now or Never

तो बोलो, सदा अपने भाग्य को स्मृति में रखते हर्षित होते हो ना! होते हो? जो समझते हैं कि सदा हर्षित होते हैं, कभी-कभी वाले नहीं, जो सदा हर्षित रहते हैं वह हाथ उठाओ। सदा, सदा....। अण्डरलाइन करना सदा। अभी टी.वी. में आपका फोटो आ रहा है। "सदा" वालों का फोटो आ रहा है। मुबारक हो। मातायें हाथ उठायें, शक्तियां उठायें, डबल फारेनर्स...। क्या शब्द याद रखेंगे? सदा। कभी-कभी वाले तो पीछे आने वाले हैं।

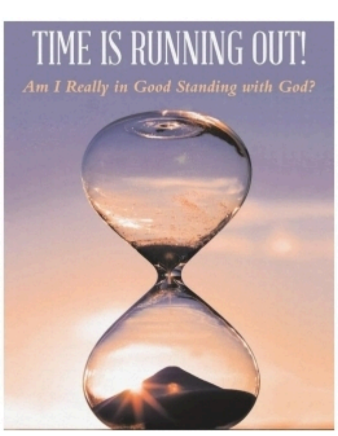

बापदादा ने पहले भी सुनाया है कि समय की रफ्तार बहुत तीव्र गति से आगे बढ़ रही है। समय की गति को जानने वाले अपने को चेक करो कि मास्टर सर्वशक्तिवान हमारी गति तीव्र है? पुरुषार्थ तो सब कर रहे हैं लेकिन बापदादा क्या देखने

बापदादा हमसे क्या चाहते है?

चाहते? हर बच्चा तीव्र पुरुषार्थी, हर सबजेक्ट में पास विद ऑनर है वा सिर्फ पास है? तीव्र पुरुषार्थी के लक्षण विशेष दो हैं - एक - नष्टोमोहा, दूसरा - एवररेडी। सबसे पहले नष्टोमोहा, इस देहभान, देह-अभिमान से है तो और बातों में नष्टोमोहा होना कोई मुश्किल नहीं है। देह-भान की निशानी है वेस्ट, व्यर्थ संकल्प, व्यर्थ समय, यह चेकिंग स्वयं ही अच्छी तरह से कर सकते हो। m.m.m....imp. Mind very well... साधारण समय वह भी नष्टोमोहा होने नहीं देता। तो चेक करो हर सेकण्ड, हर संकल्प, हर कर्म, सफल हुआ? क्योंकि संगमयुग पर विशेष बाप का वरदान है, सफलता आपका जन्म सिद्ध अधिकार है। तो अधिकार सहज अनुभूति कराता है। और एवररेडी, एवररेडी का अर्थ है - मन-वचन-कर्म, सम्बन्ध-सम्पर्क में समय का आर्डर हो अचानक तो एवररेडी, और अचानक ही होना है। जैसे अपनी दादी को देखा अचानक एवररेडी। हर स्वभाव में, हर कार्य में इज़ी रही, सम्पर्क में इज़ी, स्वभाव में इज़ी, सेवा में इज़ी, सन्तुष्ट करने में इज़ी, सन्तुष्ट रहने में इज़ी इसीलिए बापदादा समय की समीपता का बार-बार इशारा दे रहा है। स्व-पुरुषार्थ का समय बहुत थोड़ा है, इसलिए अपने जमा के खाते को चेक करो। तीन

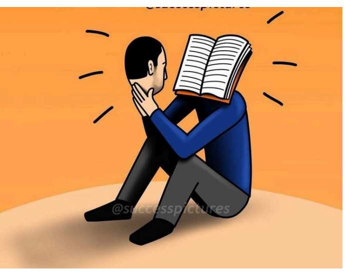

ये पक्का समझ लो..

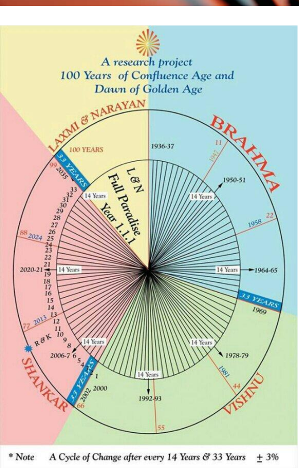

To Brahmin children

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

जागो जागो, समय पहचानो...

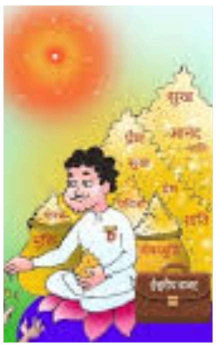

पुण्य

दुआ

विधियां खजानों को जमा करने की पहले भी बताई हैं, फिर से सुना रहे हैं। उन तीनों विधियों को स्वयं चेक करो। एक है - स्वयं के पुरुषार्थ से प्रालब्ध का खजाना जमा करना। प्राप्तियों का खजाना जमा करना। दूसरा है - सन्तुष्ट रहना, इसमें भी सदा शब्द एड करो और सर्व को सन्तुष्ट करना, इससे पुण्य का खाता जमा होता है। और यह पुण्य का खाता अनेक जन्मों की प्रालब्ध का आधार रहता है। तीसरा है - सदा सेवा में अथक, नि:स्वार्थ और बड़ी दिल से सेवा करना, इससे जिसकी सेवा करते हैं उनसे स्वत: ही दुआयें मिलती हैं। यह तीन विधियां हैं, स्वयं का पुरुषार्थ, पुण्य और दुआ। यह तीनों खाते जमा हैं? तो चेक करो कि अचानक अगर कोई भी पेपर आ जाए तो पास विद ऑनर हो सकेंगे? क्योंकि आजकल के समय अनुसार प्रकृति के हलचल की छोटी-छोटी बातें कभी भी आ सकती हैं इसलिए कर्मों के गति का नॉलेज विशेष अटेन्शन में रहे। कर्मों की गति बड़ी गुह्य है। जैसे ड्रामा का अटेन्शन रहता, आत्मिक स्वरूप का अटेन्शन रहता, धारणाओं का अटेन्शन रहता, ऐसे ही कर्मों की गुह्य गति का भी अटेन्शन आवश्यक है। साधारण कर्म, साधारण समय, साधारण

May I have your Attention Please..!

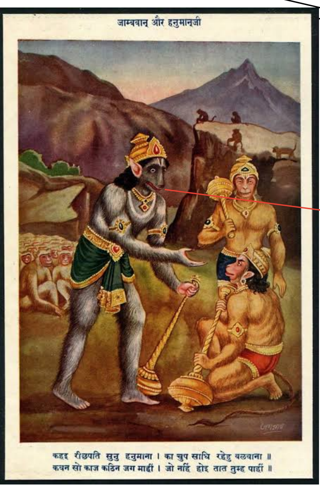

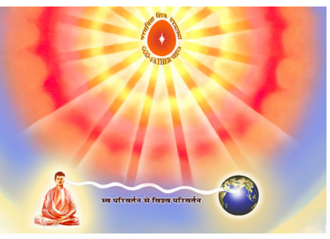

संकल्प इससे प्रालब्ध में फ़र्क पड़ जाता है। इस समय आप सभी जो पुरुषार्थी हैं वह श्रेष्ठ विशेष आत्मायें हैं, साधारण आत्मायें नहीं हो। विश्व कल्याण के निमित्त, विश्व परिवर्तन के निमित्त बनी हुई आत्मायें हो। सिर्फ अपने को परिवर्तन करने वाले नहीं हो, विश्व के परिवर्तन के जिम्मेवार हो इसलिए अपने श्रेष्ठ स्वमान के स्मृति स्वरूप बनना ही है।

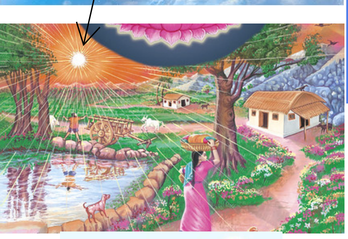

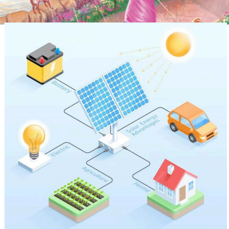

बापदादा ने देखा, सभी का बापदादा और सेवा से अच्छा प्यार है। सेवा का वातावरण चारों ओर कोई न कोई प्लैन प्रमाण चल रहा है। साथ-साथ अभी समय के प्रमाण विश्व की आत्मायें जो दु:खी, अशान्त हो रही हैं उन आत्माओं को दु:ख अशान्ति से छुड़ाने के लिए अपनी शक्तियों द्वारा सकाश दो। जैसे प्रकृति का सूर्य सकाश से अंधकार को दूर कर रोशनी में लाता। अपनी किरणों के बल से कई चीज़ों को परिवर्तन करता। ऐसे ही मास्टर ज्ञान सूर्य अपने प्राप्त हुए सुख शान्ति की किरणों से, सकाश से दु:ख अशान्ति से मुक्त करो। मन्सा सेवा से, शक्तिशाली वृत्ति से वायुमण्डल को परिवर्तन करो।

तो अभी मन्सा सेवा करो। जैसे वाचा सेवा का विस्तार किया है, वैसे मन्सा सकाश द्वारा आत्माओं में हैप्पी और होप की लहर फैलाओ। इस वर्ष जो हैप्पी और होप की टॉपिक रखी है उसी प्रमाण हिम्मत दिलाओ, उमंग-उत्साह दिलाओ, बाप का वर्सा दु:ख अशान्ति से मुक्ति दिलाओ। अभी आवश्यकता सकाश देने की ज्यादा है। इस सेवा में मन को बिजी रखो तो माया-जीत विजयी आत्मा स्वत: ही बन जायेंगे। बाकी छोटी-छोटी बातें तो साइडसीन हैं, साइडसीन में कुछ अच्छा भी आता है, कुछ बुरी चीज़ें भी आती हैं। तो साइडसीन को क्रास कर मंजिल पर पहुंचना होता है। साइडसीन देखने के लिए साक्षीदृष्टा की सीट पर सेट रहो, बस। तो साइडसीन मनोरंजन हो जायेगी। तो एवररेडी हो ना? कल भी कुछ हो जाए, एवररेडी हैं? पहली लाइन एवररेडी है? कल भी हो जाए तो? टीचर्स तैयार हैं तो अच्छा। यह वर्ग वाले तैयार हैं। जितने भी वर्ग आये हो, एवर-रेडी। सोचना। देखना दादियां, देख रही हो सब हाथ हिला रहे हैं। अच्छा है, मुबारक हो। अगर नहीं भी हैं ना तो आज की रात तक हो जाना क्योंकि समय आपका इन्तजार कर रहा है। बापदादा मुक्ति का गेट खोलने का इन्तज़ार कर रहा है। एडवांस पार्टी आपका

Automatically

पुछो अपने आप से...

m.m.m....imp.

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

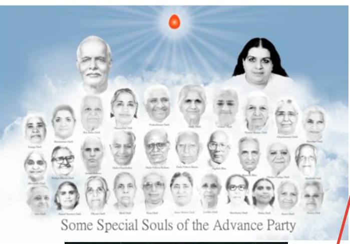

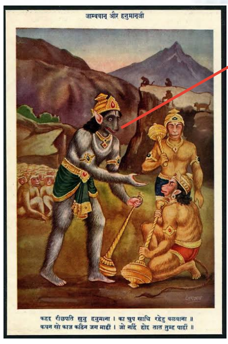

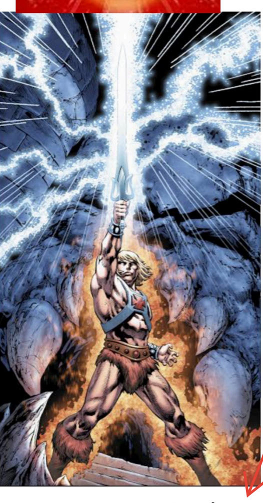

"I am the master of this universe."
Most Powerful Man in the universe

आह्वान कर रही है। क्या नहीं कर सकते हो... मास्टर सर्वशक्तिवान तो हो ही। दृढ़ संकल्प करो यह करना है, यह नहीं करना है, बस। नहीं करना है, तो दृढ़ संकल्प से 'नहीं' को 'नहीं' करके दिखाओ। मास्टर तो हो ही ना! अच्छा।

New commers

अभी पहली बार कौन आये हैं? जो पहली बार आये हैं, वह हाथ उठाओ। ऊंचा हाथ उठाओ, हिलाओ। इतने आये हैं। अच्छा है। जो भी पहले बारी आये हैं उनको पदमगुणा मुबारक है, मुबारक है। बापदादा खुश होते हैं, कि कल्प पहले वाले बच्चे फिर से अपने परिवार में पहुंच गये इसलिए अभी पीछे आने वाले कमाल करके दिखाना। पीछे रहना नहीं, पीछे आये हो लेकिन पीछे नहीं रहना। आगे से आगे रहना। इसके लिए तीव्र पुरुषार्थ करना पड़ेगा। हिम्मत है ना! हिम्मत है? अच्छा है। हिम्मते बच्चे मददे बापदादा और परिवार है। अच्छा है क्योंकि बच्चे घर का श्रृंगार हो। तो जो भी आये हैं वह मधुबन के श्रृंगार हैं। अच्छा।

सेवा का टर्न भोपाल ज़ोन का है :- अच्छा, बहुत आये हैं। (झण्डियां हिला रहे हैं) अच्छा है गोल्डन चांस तो मिला है ना। अच्छा जो भी सेवा के निमित्त आये हुए हैं इनमें से सभी ने सेवा का जो बल है, फल है - अतीन्द्रिय सुख की अनुभूति का, वह अनुभव किया? किया? अभी भले हाँ के लिए झण्डी हिलाओ, जिसने किया हो। अच्छा अभी तो अतीन्द्रिय सुख का अनुभव किया, यह सदा रहेगा? या थोड़ा समय रहेगा? जो दिल से प्रॉमिस करता है, देखा देखी हाथ नहीं उठाना, जो दिल से समझता है कि मैं इस प्राप्ति को सदा कायम रखूंगा, विघ्न-विनाशक बनूंगा, वह झण्डी हिलाओ भले। अच्छा। देखो, आप टी.वी. में आ रहे हो फिर यह टी.वी. का फोटो भेजेंगे। अच्छा। यह चांस जो रखा है वह बहुत अच्छा है। चांस लेते भी खुशी से हैं और टर्न बाई टर्न सभी को खुली दिल से छुट्टी भी मिल जाती है आने की। अच्छा, अभी कमाल क्या करेंगे? (2008 में आपको प्रत्यक्ष करके दिखायेंगे) अच्छा है, एक दो को सहयोग देकर इस वायदे को पूरा करना। जरूर करेंगे। मास्टर सर्वशक्तिवान के लिए कोई भी वायदा निभाना, कोई बड़ी बात नहीं है। सिर्फ दृढ़ता को साथी बनाके रखना। दृढ़ता को

ये पक्का समझ लो..

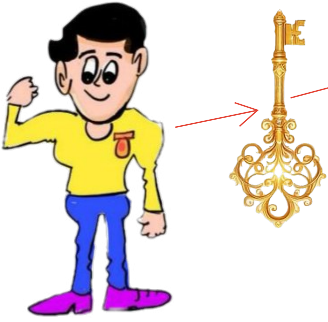

नहीं छोड़ना क्योंकि दृढ़ता सफलता की चाबी है। तो जहाँ दृढ़ता होगी वहाँ सफलता है ही है। ऐसे है ना! करके दिखायेंगे। बाप-दादा को भी खुशी है, अच्छा है। देखो कितनों को चांस मिलता है। आधा क्लास तो सेवा करने वालों की तरफ का होता है। अच्छा है। देखो, साकार बाबा के होते हुए बहुत अच्छा पार्ट बजाया है, पहला-पहला म्यूज़ियम इसने (महेन्द्र भाई ने) तैयार किया था। तो देखो, साकार बाप की दुआयें सारे ज़ोन को हैं। अभी कोई नवीनता करके दिखायेंगे। अभी बहुत समय हो गया है, कोई नई इन्वेन्शन नहीं निकाली है। वर्गीकरण भी अभी पुराना हो गया है। प्रदर्शनियां, मेला, कॉन्फ्रेन्स, स्नेह मिलन यह सब हो गये हैं। अभी कोई नई बात निकालो। शार्ट और स्वीट, खर्चा कम और सेवा ज्यादा। रायबहादुर हो ना! तो राय-बहादुर नई राय निकालो। जैसे प्रदर्शनी निकली, फिर मेला निकला, फिर वर्गीकरण निकला, ऐसे कोई नई इन्वेन्शन निकालो। देखेंगे कौन निमित्त बनता है। अच्छा है, हिम्मत वाले हैं इसीलिए बापदादा हिम्मत रखने वालों को सदा एडवांस में मदद की मुबारक दे रहे हैं। अच्छा।

Drill:-

अभी एक सेकेण्ड में सभी बहुत मीठी-मीठी स्वीट साइलेन्स की स्टेज के अनुभव में खो जाओ। (बापदादा ने ड्रिल कराई) अच्छा।

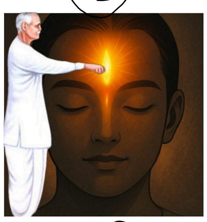

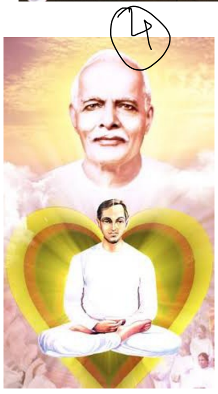

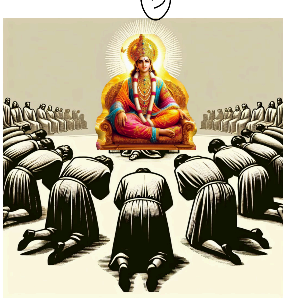

चारों ओर के सर्व तीव्र पुरुषार्थी, सदा दृढ़ संकल्प द्वारा सफलता को प्राप्त करने वाले, सदा विजय के तिलकधारी, बापदादा के दिल तख्तधारी, डबल ताजधारी, विश्व कल्याणकारी, सदा लक्ष्य और लक्षण को समान करने वाले परमात्म प्यार में पलने वाले ऐसे सर्व श्रेष्ठ बच्चों को बापदादा का यादप्यार, दिल की दुआयें और नमस्ते।

लक्ष्य बाप समान

लक्षण

दादियों से :- बच्चे हाज़िर हैं, तो बाप तो हाज़िर है ही। न बाप बच्चों से दूर हो सकता, न बच्चे बाप से दूर हो सकते। वायदा है - साथ हैं, साथ चलेंगे, आधाकल्प ब्रह्मा बाप के साथ रहेंगे। (दादी जानकी

जी ने कहा, वह भी (शिवबाबा भी) तो समाया हुआ साथ में है) आपकी यह अनुभूति ठीक है। अभी तो गैरेन्टी है लेकिन जब राज्य करेंगे तो नहीं आयेंगे। कोई देखने वाला भी चाहिए ना। (ऊपर मन कैसे लगेगा?) ड्रामा में पार्ट है। ब्रह्मा बाप तो साथ है ना। देखो, ड्रामा क्या करता है?

It means अचानक...!

Heart Breaking line

मैं अपना कार्य कर तुमको राज्य-भाग्य दे फिर मैं गुम हो जाऊंगा। तुम सुखी बन जायेंगे। 24/8/23

सतयुग में शिव माँ से बिछड़ने समय की अंतिम रूह रिहान

Refer last page

So, value this time...
Don't waste it.

वरदान:- रीयल्टी द्वारा हर कर्म वा बोल में रायॅल्टी दिखलाने वाले फर्स्ट डिवीजन के अधिकारी भव

रीयल्टी अर्थात् अपने असली स्वरूप की सदा स्मृति, जिससे स्थूल सूरत में भी रॉयल्टी नज़र आयेगी।

रीयल्टी अर्थात् एक बाप दूसरा न कोई।

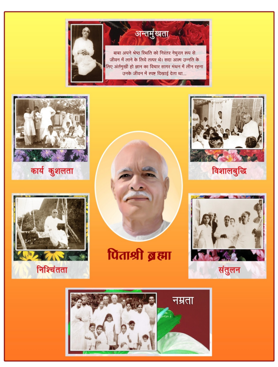

इस स्मृति से हर कर्म वा बोल में रॉयल्टी दिखाई देगी। जो भी सम्पर्क में आयेगा उन्हें हर कर्म में बाप समान चरित्र अनुभव होंगे, हर बोल में बाप के समान अथॉर्टी और प्राप्ति की अनुभूति होगी। उनका संग रीयल होने के कारण पारस का काम करेगा।

ऐसी रीयल्टी वाली रॉयल आत्मायें ही फर्स्ट डिवीजन के अधिकारी बनती हैं।

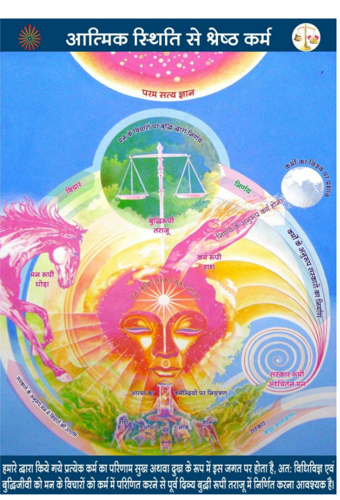

स्लोगन:-श्रेष्ठ कर्मो का खाता बढ़ाओ तो विकर्मो का खाता समाप्त हो जायेगा।

Points: ज्ञान mp.

अव्यक्त इशारे -

अशरीरी व विदेही स्थिति का अभ्यास बढ़ाओ

चारों ओर हलचल है, व्यक्तियों की, प्रकृति की हलचल बढ़नी ही है, ← *Attention Please..!*

ऐसे समय पर सेफ्टी का साधन है सेकण्ड में अपने को विदेही, अशरीरी वा आत्म-अभिमानी बना लेना।

तो बीच-बीच में ट्रायल करो एक सेकण्ड में मन-बुद्धि को जहाँ चाहे वहाँ स्थित कर सकते हैं! इसको ही साधना कहा जाता है।

सूचना:- आज मास का तीसरा रविवार है, सभी राजयोगी तपस्वी भाई-बहनें सायं 6.30 से 7.30 बजे तक, विशेष योग अभ्यास के समय अपनी शुभ भावनाओं की श्रेष्ठ वृत्ति द्वारा मन्सा महादानी बन **सबको निर्भयता का वरदान देने की सेवा करें**।

Points: ज्ञान योग धारणा सेवा M.imp.

Om shanti, mein pichle 4 saal se highlighted murli padhti hu, mujhe bahut achha lagta h ise padhna. Isme jo emoji hote h unhe dekhkar murli ka point easily yaad bhi rehta h aur ek emotion bhi jud jata h uske saath, murli me jo link diye hote h vo bhi bahut useful hote h.
Mera ye suggestion h ki abhi baba ne sunday ki murli k vardan me kaha ki jab vinashkal bhulta h to hum albele ho jate h, to vinashkal par chali murli k pages ya link bhi daily murli k saath dale jae jisse hum alert rahe. Sister BK kusum aur unki team ka aur Baba ka bahut bahut shukriya🙏🥰🥰 om shanti

--- Manju Sharma ;Gyan:6yrs.; From:- Rewari Haryana

murli date 23/3/2025

यह हम जो फाइनल पेपर और धर्मराज की पॉइंट्स हर रोज पढ़ते हैं उसका श्रेय इस feedback को जाता है इनका तहे दिल से शुक्रिया

(32) अपने उपर रहम ओर, औरों के उपर रहम। भक्ति मार्ग में भी सच्चे भक्त होंगे वा आप भी सच्चे भक्त बने हो, आत्मा में रिकार्ड भरा हुआ है ना। तो सच्चे भक्त सदा रहमदिल होते हैं इसलिए वे पाप कर्म से डरते हैं। तो ज्ञान मार्ग में भी जो यथार्थ रहमदिल हैं - उसमें 3 बातों से किनारा करने की शक्ति होती है। जिसमें रहम नहीं होता वे समझते हुए जानते हुए तीन बातों के परवश बन जाते हैं। वह तीनों बातें हैं। - अलबेलापन, ईर्ष्या और घृणा। कोई भी कमज़ोरी वा कमी का कारण 90 प्रतिशन यह तीनों बाते होती हैं। तो जो रहमदिल होगा वह बाप के साथी धर्मराज की सजा से किनारा करने की शुभ इच्छा रखते हैं। जैसे भक्त डर के मारे अलबेले नहीं होते, ... ब्राह्मण आत्माएँ बाप के प्यार के कारण धर्मराज पुरी से क्रास न करना पड़े - इस मीठे डर से अलबेले नहीं होते हे। बाप का प्यार उससे किनारा करा देता है। अपने दिल का रहम अलबेलापन समाप्त कर देता है। ओर जब अपने प्रति रहम भावना आती है तो जैसी वृत्ति, जैसी स्मृति, वैसी सर्व ब्राह्मण सृष्टि के प्रति स्वतः ही रहमदिल बनते हैं। यह है - 'यथार्थ ज्ञान युक्त रहम' बिना ज्ञान के रहम कभी नुकसान भी करता है। लेकिन ज्ञानयुक्त रहम कभी भी

m.m.m. Imp. Note it down

Very Subtle Point to understand

जहाँ दया तहाँ धर्म है,
जहाँ लोभ तहाँ पाप।
जहाँ क्रोध तहाँ पाप है,
जहाँ क्षमा तहाँ आप।।

May I have your Attention Please..!

42

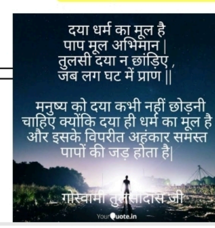

15/11/25 धर्मराज

किसी आत्मा के प्रति ईर्ष्या वा घृणा का भाव दिल में उत्पन्न नहीं देगा।

(30.03.1990)

Very Very Very Subtle Point to Understand:

कोई भी कमी कमजोरी का कारण - 1. अलबेलापन 2. ईर्ष्या और 3. घृणा

और ये तीनों उत्पन्न होने का कारण रहम की कमी

AV: 30/3/90

यह हम जो अमृतवेला की पॉइंट्स हर रोज पढ़ते हैं उसका श्रेय इस feedback को जाता है
इनका तहे दिल से शुक्रिया

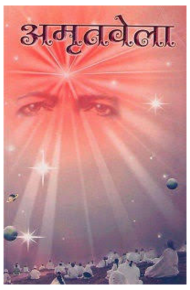

8.2.8 प्राप्तियों के महत्व को पहचान, पूर्ण फ़ायदा उठाओ और ज्ञान-रत्न धारण करो :

(आ) कोई बच्चे इतना गोल्डन चान्स होते हुए, चान्स ले रहे हैं और कोई किनारे खड़े हो, चान्स लेने वालों को देख रहे हैं क्योंकि चाहना भी है, फिर भी क्यों बीच में रुकावट है — उसको जानते हो ? माया भी बड़ी चतुर है, विशेष उस समय बाप से किनारा करने के लिए आ जाती है। विशेष बहानेबाज़ी के खेल में बच्चों को रिझा लेती है। जैसे बाज़ीगर अपनी बाज़ी में लोगों को आकर्षित कर लेते हैं, वैसे माया भी अनेक प्रकार के अलबेलेपन, आलस्य और व्यर्थ संकल्पों की बहानेबाज़ी में रिझा लेती है। इसलिए गोल्डन चान्स को गँवा लेते हैं और फिर ऐसे समय को गँवाने के कारण सहज प्राप्ति से वंचित होने के कारण, सारा दिन का कमज़ोर फाउण्डेशन हो जाता है। सारे दिन में कितना भी पुरुषार्थ करें, लेकिन सारे दिन की ★★★ आदि अर्थात् फाउण्डेशन समय कमज़ोर होने के कारण, मेहनत ज़्यादा करनी पड़ती, प्राप्ति कम होती है। प्राप्ति कम होने के कारण दो प्रकार की अवस्था का अनुभव करते हैं। एक तो चलते-चलते थकावट का अनुभव करते हैं, दूसरा दिलशिकस्त हो जाते हैं और फिर सोचते हैं — ना मालूम मंज़िल पर कब पहुँचेंगे ? समय नज़दीक है या दूर है ? कब प्रत्यक्षता होगी और कब सतयुगी सृष्टि में जायेंगे ? यह प्रवृत्ति के बन्धन कब तक रहेंगे ? वर्तमान की प्राप्ति को छोड़ भविष्य को देखते हैं। वर्तमान प्राप्ति की लिस्ट सदा सामने रखो, तो 'कब होगा' — यह खत्म हो, हो रहा है में आ जायेंगे। दिलशिकस्त होने की बजाय दिलखुश हो जायेंगे। वर्तमान से किनारा नहीं करो, माया की बहानेबाज़ी को पहचानो। माया बहाने में आपको राज़ी कर देती है, इसलिए बाप को रिझा नहीं सकते हो अर्थात् सहज साधन अपना नहीं सकते हो। वरदान के रूप में जो प्राप्ति करनी चाहिए, उसकी बजाय मेहनत कर प्राप्ति करने में लग जाते हो, इसलिए अमृतवेले की सहज प्राप्ति की वेला को जानते हुए उसका लाभ उठाओ। 16/11/25

8.2.9 बाप को अपना मन-बुद्धि समर्पण करना सीखो :

अमृतवेले सिर्फ एक संकल्प करो कि 'जो भी हूँ, जैसी भी हूँ, आपकी हूँ',

m. Imp, m. Powerful Thought

17/11/25

माया की बाज़ी को पार कर साथ में आकर बैठ जाओ। यह माया की बाज़ी साइड-सीन है। उनमें रुकना नहीं है, आ जाओ और बैठ जाओ। मन और बुद्धि को बाप के हवाले कर दो। यह मुश्किल है क्या ? बाप द्वारा दी हुई वस्तु बाप को देने में मुश्किल क्यों ? कभी तेरी, फिर मेरी कहते हो। इस तेरी मेरी के चक्र में आ जाते हो।

Avyakt vani date: 14/10/2015

देखो यह समय कितना वैल्युबुल है, जो पहचान रहे हैं कि हमको राज्य भाग्य मिल रहा है। हम हैं क्या और क्या बनने वाले हैं! नशा है, खुशी है, हम ही थे और हम ही हो रहे हैं। खुशी है! है खुशी तो हाथ उठाओ। हाँ देखो कितनी खुशी है क्योंकि हमारा युग आने वाला है। देखो, यहाँ सब मातायें दिखाई देती हैं। मातायें खुश कितनी हो रही हैं, वाह हमारा युग आ गया, हमारा युग आ गया। अकेली आप भी नहीं होंगी, युगल होंगे। राज्य करेंगे ना! तो राज्य अकेला थोड़ेही करेंगे। राज्य में तो दोनों ही होंगे ना। तो खुशी होती है हमारा राज्य आ गया। बाप आया ही है राज्य देने के लिए। और सबको कितनी खुशी है! अब अपना राज्य होगा। हमारा राज्य। नशा कितना है! और राज्य की खुशी कितनी है! हमारा राज्य आया कि आया। कितनी खुशी है! बताओ। कैसे बतायेंगे। ताली बजाओ। तालियों का आवाज देखो क्या है! वाह! और सबकी शक्लें देखो, इतनी मुस्करा रही हैं, हमारा राज्य आ गया। खुशी है ना सभी को! तभी तो तालियां बजाई। अभी तो दु:खी होना या रोना उसकी जरूरत ही नहीं है, खुशी के दिन आ गये, हमारा राज्य आ गया, हमारा राज्य... नशा कितना है! दूसरे के राज्य में बहुत टाइम रहे अभी हमारा राज्य, खुशी है ना! भाईयों को खुशी है! बहनों को है? देखो, चारों ओर खुशी देख करके कितना अच्छा लग रहा है। कोई के दिल में दु:ख की लहर नहीं, खुश और बापदादा भी आप सभी को इस खुशी की बहुत-बहुत-बहुत बधाई दे रहे हैं।

दादी जानकी जी बापदादा से गले मिली:- सभी सोच रहे हैं हम भी मिलें। लेकिन बाबा के हृदय में सब समाये हुए हो। एक एक एक बाबा के दिल में समाया हुआ है।

कि अपने को कैसे छुड़ाओ। बाप कहते हैं मैं अपना कार्य कर तुमको राज्य-भाग्य दे फिर मैं गुम हो जाऊंगा। तुम सुखी बन जायेंगे। तुम

तुम्हारा भी बाप के साथ बहुत लव है। पिछाड़ी में बाबा चला जायेगा - तुम कहेंगे ओहो! बाबा चला गया, जिसने इतना सुख दिया! पिछाड़ी में बहुत रहते हैं। बाप से बहुत लव रहता है। तुम कहेंगे बाबा हमको राजाई देकर चला गया। प्रेम के ऑसू आयेंगे, दु:ख के नहीं। यहाँ भी

Click

पिछाड़ी में बहुत रोयेंगे। (प्रेम के आँसु)

Blue= धारणा, Green = सेवा

6

30/12/2022 (murli date)

24-08-2023 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

राजधानी ले लेंगे फिर मैं वानप्रस्थ में बैठ जाऊंगा।

14 अक्तूबर 2015, को जब अव्यक्त बापदादा आये थे और उन्होंने मुरली में कहा की हमारा राज्य आ गया...
अभी उस मुरली को भी 8 साल से ज्यादा हो गए है...
तो इसका मतलब यह होता हैं की बाबा की प्रत्यक्षता को अभी ज्यादा समय नहीं रहा और साथ ही सतयुग आने को भी ज्यादा समय नहीं रहा।
ये सुन कर सभी को अवश्य ही ख़ुशी होती होंगी।

परंतु क्या साथ में कभी ये भी सोचा है की मीठे,प्यारे बाबा से बिछड़ने का समय भी समीप आ रहा हैं।

जैसे छोटे बच्चे को पहली बार स्कूल में भेजते हैं तब वो अपनी प्यारी माँ से बिछड़ने पर कितना न रोता हैं। आप सब को ये अनुभव तो अवश्य ही याद होंगा।

बाबा ने 30/12/2022 की साकार मुरली में कहा था कि "पिछाड़ी में बाबा चला जायेगा - तुम कहेंगे ओहो! बाबा चला गया, जिसने इतना सुख दिया! पिछाड़ी में बहुत रोते हैं। बाप से बहुत लव रहता है। तुम कहेंगे बाबा हमको राजाई देकर चला गया। प्रेम के ऑसू आयेंगे, दु:ख के नहीं।"

तो आज का यह गीत मेरी शिव माँ को समर्पित हैं, जब मैं सतयुग में जाने समय उनसे बिछड़ रहा होऊंगा तब आँखों में प्यार के आँसुओ का समंदर लिए उनके आँचल से लिपटकर उनको, उनसे दूर न भेजने की बिनती कर रहा होऊंगा।
क्योंकि बिछड़ने के बाद 5 पल, 5 मिनट,5 घंटे,5 दीन, 5 महीने या 5 साल नहीं अपितु 5000 वर्षो की लंबी जुदाई सहन करनी पड़ेंगी।

क्योंकि जिससे एक पल की भी दूरी किसी सजा से कम न हो वहाँ 5000 साल...?😭😭😭😭😭

Movie: तारे जमीं पर... (2007) Click ← link of the song

======∞========

Main kabhi batlata nahin
Par andhere se darta hoon main maa

(मेरी प्यारी माँ,
आप संगम पर सदैव मेरे साथ हो तो माया की चालबाजी या ड्रामा की विनाश जैसी विकराल सीन से भी रिंचक मात्र डर नहीं हैं,
परंतु आपको एक बात बताऊ ...?
की द्वापर से आने वाले मायावी अँधेरे से मुझे अवश्य ही डर लगता हैं क्योंकि वहाँ आप मेरे साथ नहीं होती।

in short, आपके बिना मैं माया के सामने कुछ भी नहीं।)

Yun to main, dikhlata nahin
Teri parwaah karta hoon main maa

(शायद मैं आपको अपना प्यार जताने में असमर्थ रहा हूँ,
परंतु आपसे बेपनाह प्यार होने कारन मुझे आपसे दूर न हो जाऊं उसकी परवाह जबसे आप मुझे इस कल्प के संगम पर मिले हो तब से ही हैं और जब भी मन में ये संकल्प मात्र भी आता था की 'कहां मिलेगा बाबा ऐसा सतयुग में तेरा प्यार' और आंखों से अश्रुओ की बौछार हो जाती थी
और ये क्या.... आज तो वो ही दिन आ ही गया है जब की मैं आपसे दूर होने जा रहा हूं।)

Tujhe sab hain pata, hai na maa
Tujhe sab hain pata, meri maa

(चूँ की आप मेरी माँ हो, तो आप मेरी यह मन: स्थिति को तो भली भांति जानती हो ना?)

Bheed mein yun na chhodo mujhe
Ghar laut ke bhi aa naa paaoon maa

(इस बेहद के ड्रामा के इतने सारे actors की भीड़ में मुझे न छोड़िये,
【भले ही उन सब actors पर मुझे राज्य ही क्यों न करना हो अर्थात विश्व महाराजन का श्रेष्ठ पद ही क्यों न हो?
- वो भी नहीं चाहिए मुझे।】

जिससे की मैं वापिस आपके पास अपने सच्चे घर शान्तिधाम में आ भी ना सकूँ।)

Bhej na itna door mujkko tu
Yaad bhi tujhko aa naa paaoon maa

(हमे यह भी मालूम हैं की आप भी हमसे बेइंतेहा प्यार करती हो,
तो ओ मेरी प्यारी माँ, मेरी मीठी माँ, मेरे प्राण आप मुझे इतना तो दूर न भेजो की आपको मैं याद भी न आऊँ।)

Kya itna bura hoon main maa
Kya itna bura meri maa

(या फिर एक बात बताईये,
क्या मैं इतना तो बुरा नही हूँ जो आप मुझे अपनेसे इतने लंबे समय के लिए इतना दूर भेज रही हो?)

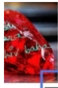

25/03/2025

बाप सर्वशक्तिमान है या ड्रामा? ड्रामा है फिर उनमें जो एक्टर्स हैं उनमें सर्वशक्तिमान कौन है? शिवबाबा। और फिर रावण। आधाकल्प है राम राज्य, आधाकल्प है रावण राज्य। घड़ी-घड़ी बाप

$$$$$$$$$$$

Jab bhi kabhi papa mujhe
Jo zor se jhoola jhulate hain maa ....

(द्वापर युग से ड्रामा[पापा] अनुसार जब भी कोइ difficult परिस्थितियां आई हैं तब....)

समझ:-
शिवबाबा ने कहा है की मुझसे ऊपर ड्रामा है और मैं भी drama के बंधनमें बांधा हुआ हूँ।

तो इसका एक मतलब ये भी निकल सकता है की शिवबाबा मेरे लिए साजन/माता/पिता/बच्चा/ दोस्त ... in short सबकुछ है और ड्रामा हुआ मेरे लिए खुदा।
तो यहाँ इस पंक्ति को यूं समझो की शिवबाबा है माँ (ममता से परिपूर्ण) जो हमेशा मेरे अच्छे या बुरे सभी कर्मो में या किसी भी परिस्थिति में मुझे सपोर्ट करती है साथ ही मेरी कमी कमजोरियों को दर किनार कर मुझको हर हमेशा प्यार देती है
और ड्रामा है पिता(कर्म रूपी नियम ही सब कुछ) जो मुझे अपने विकर्मो अनुसार विकट/Difficult परिस्थिति में भी भेजते है...।

Meri nazar dhoondhe tujhe
Sochu yahi tu aa ke thaamegi maa
(चूँ की मेरे संगमयुगी संस्कार हैं की जैसे ही छोटी सी भी परिस्थिति आई तो मैंने दिल से सिर्फ संकल्प किया की "मेरा बाबा, मेरा साथी आ जाओ मदद करो" और आप उसी क्षण तुरंत हाज़िर हो कर मुझे अपनी बाहों में समा कर किसी भी विकट/difficult परिस्थितियों से सहज ही पार करा देते हो, जैसे की मक्खन से बाल।

तो द्वापर/कलियुग में भी परिस्थिति आने पर तुरंत ही मेरे बुद्धि रूपी नेत्र आपको दूर दूर तक ढूंढने लगते और सोचता हूँ की अभी- अभी आप मेरी प्यारी माँ आकर के मुझे अपनी बाहों में अपने प्यार के आँचल में भर लेंगी।

किन्तु......
आपके आने का पार्ट तो संगम पर होने के कारन आप आती नहीं हो....,)

Unse main yeh kehta nahin
Par main seham jaata hoon maa
Chehre pe aana deta nahin
Dil hi dil mein ghabraata hoon maa
(और फिर आपके न आने पर किसी को कुछ भी बताये बीना मैं स्तब्ध होके अकेला सहम सा जाता हूँ।

परंतु फिर भी आपका महावीर बच्चा होने के कारन भल दिल ही दिल में तो बहुत घबराहट होती हैं किन्तु उस घभराहट की effect अपने चेहरे पर आने नहीं देता।)

Tujhe sab hai pata hai naa maa
Tujhe sab hai pata meri maa
(तो ओ मेरी मीठी माँ, ओ मेरी प्यारी माँ, ओ मेरी प्राण माँ
आपको ये सब तो पता ही है ना...?
तो बस एक ही प्यार भरी गुजारिश है कि please...🙏🙏🙏 आप मुझे अपने से इतना दूर मत भेजिए।)

Main kabhi batlata nahin
Par andhere se darta hoon main maa
Yun to main, dikhlata nahin
Teri parwaah karta hoon main maa
Tujhe sab hain pata, hain na maa
Tujhe sab hain pata, meri maa

यहां हम आपके लिए एक हॉलीवुड मूवी नार्निया/Narnia का 4 मिनट का Ending Scene रख रहे हैं जिसमें दर्शाया गया है कि लायन (जो की हमारे प्यारे शिव बाबा है) वह हम बच्चों को राज्य - भाग्य दे रहे हैं और राज्य भाग्य देने के बाद वह हमसे बिछड़ कर चले जाएंगे।

Click

Heart Breaking Lines...
"मैं गुम हो जाऊंगा।"

कि अपने को कैसे छुड़ाओ। बाप कहते हैं मैं अपना कार्य कर तुमको राज्य-भाग्य दे फिर मैं गुम हो जाऊंगा। तुम सुखी बन जायेंगे। तुम

तुम्हारा भी बाप के साथ बहुत लव है। पिछाड़ी में बाबा चला जायेगा - तुम कहेंगे ओहो! बाबा चला गया, जिसने इतना सुख दिया! पिछाड़ी में बहुत रहते हैं। बाप से बहुत लव रहता है। तुम कहेंगे बाबा हमको राजाई देकर चला गया। प्रेम के ऑसू आयेंगे, दु:ख के नहीं। यहाँ भी

पिछाड़ी में बहुत रोयेंगे। (प्रेम के आँसु)

Blue= धारणा, Green = सेवा

6

30/12/2022 (murli date)

Click

Click

24-08-2023 प्रात:मुरली ओम् शान्ति "बापदादा" मधुबन

राजधानी ले लेंगे फिर मैं वानप्रस्थ में बैठ जाऊंगा।